>

Title : Need to declare Arunachal Pradesh as a centre of Indian Green Revolution with a view to protect the fast-depleting forest areas in the Country.

श्री निनोंग ईरींग (अरूणाचल पूर्व) : अध्यक्ष महोदय, धरती पर आज के दौर में प्रकृति का सुन्दर, मोहक एवं अमूल्य उपहार अगर आज कहीं सुरक्षित है तो वह सिर्फ अरूणाचल प्रदेश है। जहां प्रकृति हमारे लिए धरोहर वंदनीय एवं अनुकरणीय बनी हुई है। अरूणाचल प्रदेश के हरे भरे जंगल समूचे हिन्दुस्तान के लिए "कामधेनु" जैसे हैं, जहां फल, फूल, जड़ी-बूटियां, ईंधन, इमारती सामान हेतु पदार्थ एवं प्राणवायु-ऑक्सीजन का भंडार है। अतः आज के प्रदूषण के भयंकर प्रकोप से बचने के लिए जरूरत इस बात की है कि हम हरे भरे जंगलों से जुड़ें न कि विकास के नाम पर इससे मुड़ें।

अध्यक्ष जी, संसद के अनुमान समिति की एक रिपोर्ट ने भारत में पिछले कुछ दशकों में वनों के विनाश का जिक्र किया है तथा विश्वसनीय आंकड़ों के अनुसार हर वर्ष लगभग 37 लाख एकड़ वन गायब होते जा रहे हैं। आधिकारिक रूप से वन भूमि घोषित किये जाने वाले क्षेत्र वन रहित हो चुके हैं। वास्तविक रूप से देखा जाये तो नुकसान हमारी अनुमानित सरकारी आंकड़ों से अधिक है।

अतः मेरा अनुरोध है कि अरूणाचल प्रदेश को "भारत हरित क्रांति केन्द्र" (Indian Green Revolution Center) घोषित किया जाये ताकि हिन्दुस्तान के 30 प्रतिशत क्षेत्रफल का "वन विकास अभियान " के तहत भारत के काने-कोने तक पहुंचाया जा सके तथा पेड़ पौधों की सुरक्षा एवं सम्मान को नये सिरे से बल मिल सके।